ALL INDIA GOVERNMENT DRIVERS' FEDERATION

(Regd. No. S/00927 NE/2012/Dt. 13.06.12) Regd. Add. : B-8, Shastri Gali, Vill. Dayal Pur, N.D.-110094
(Recognised by All States/Union Territories Vide Their Individual Affiliated State Govt.)

President :
Milan Raj Banshi
(M) 09436001452
Kohima Post Box - 770, Nagaland-797001
Email : milanrajbanshi8@gmail.com

Secretary General :
Narender Singh (Delhi)
(M) 9210274309
Off. Tel. No. : 23378128
E-mail : aigdf16@gmail.com

Ref. No. AIGDF/2020/8 Date 21/1/2020

श्री महेश शर्मा जी
राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनिकी कर्मचारी संघ
राजस्थान स्टेट मोर्टर गैराज, सहकार मार्ग, जयपुर –302001
मो. न. 9314193495

महोदय,

पिछले कुछ दिनो में आपकी बहुत सी पोस्ट व्हाटसएप पर पढने को मिल रही है । मैंसेज के माध्यम से आपने फेडरेशन से संबंधित राज्यों के वाहन चालको का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रदेश अध्यक्षो तथा प्रदेश महामंत्रियो से आपने (श्री महेश शर्मा) राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनिकी कर्मचारी संगठन की और से निम्नलिखित अनुरोध किये है :–

1. नरेन्द्र सिहँ स्वय घोषित महामंत्री बना है।
2. संगठन विरोधी गतिविधियों मे लिप्त होने के कारण महामंत्री को पद से बर्खास्त कर दिया जाये ।
3. श्री मिलन राज वंशी के साथ विश्वासघात किया ।
4. फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन को नकार कर हाउस में उपस्थित सदस्यो का अपमान किया ।
5. चालक दिवस एवं शांति मार्च से फेडरेशन को क्या मिला ।
6. केन्द्र सरकार को 28 पत्र लिखें इन पत्रों में प्रधानमंत्री को पिता के समान बताया विश्व नेता बताया लेकिन कभी प्रधानमंत्री को फेडरेशन की ओर से आंदोलन का नोटिस नही दिया ।
7. फेडरेशन द्वारा दिल्ली में ठहरने का कोई प्रबंध नही किया गया और खाने के लिये रसीद काटते है । हमने राजस्थान में लाखों रूपये खर्च किये, व अन्य ।

सबसे पहले में इस पत्र के माध्यम से सभी पदाधिकारियों व चालक साथियों को अवगत कराना चाहता हूँ कि मैं एक गरीब फेडरेशन का महामंत्री हूँ, हॉ इस फेडरेशन से जुडे हुये सदस्य एवं सदस्यों से जुडे हुये चालक साथी बहुत से अमीर भी है और सदस्य भी बडे–बडे प्रोग्राम आयोजित करते है परन्तु फेडरेशन को वार्षिक शुल्क या दान देने में परहेज करते है, जो फेडरेशन का वार्षिक शुल्क व दान मांगेगा वो संगठन विरोधी, जो पदाधिकारी वार्षिक शुल्क को माफ करने की बात करेगा वो संगठन हितेषी । फेडरेशन के सदस्य साथी अगर फेडरेशन को सहयोग करे तो वितिय स्थिति बहुत अच्छी हो सकती है । उपरोक्त आरोपो का निम्नलिखित जवाब दे रहा हूँ :–

1. फेडरेशन ने चुनाव अधिकारी दिनांक 27–11–19 को नियुक्त किया था । चुनाव अधिकारी ने फेडरेशन की कार्यकारिणी के चुनाव कार्यक्रम को दिनांक 06–12–19 को जारी कर दिया था , जिसमें दिनांक 10–12–19 से 16–12–19 तक नामांकन पत्र जारी किये गये उसके बाद दिनांक 19–12–19 से 27–12–19 तक नामांकन भरे गये थे, मतदान की तारीख 04 जनवरी निर्धारित की गई थी । 04 जनवरी 2020 को चुनाव अधिकारी ने विशेष

सभा में मुझे विजेता घोषित किया था । उसी सभा में मैने आप लोगो के व्यवहार के कारण उसी समय महामंत्री के पद को छोडने की घोषणा की परन्तु सभी ने एक स्वर में कहा था कि नही हम सब आपके साथ है । बताये कि स्वम घोषित महामंत्री बना हूँ या श्री महेश शर्मा झूठे मैसेज के द्वारा लोगो को भ्रमित कर रहे है ।

2. मैने आज तक कोई भी संगठन विरोधी कार्य नही किया है ।
3. मुझे भी बताया जाये कि मैने श्री मिलनराज वंशी के साथ क्या विश्वासघात किया है ।
4. चुनाव प्रकिया के लिये चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था । चुनाव अधिकारी ने श्री महेश शर्मा को भी सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया था । चुनाव अधिकारी द्वारा श्री महेश शर्मा के नाम की घोषणा होते ही हाउस में सम्मानित कुर्सी पाने के लिये तुरंत श्री शर्मा जी चुनाव अधिकारी के पास वाली कुर्सी पर विराजमान हो गये, जबकि महामंत्री उसके पिछे खडा रहा । श्री महेश शर्मा व हाउस चुनाव अधिकारी के पद की गरिमा को नही बचा पाया । अपमानित होते हुये भी चुनाव अधिकारी ने अपनी प्रकिया को जारी रखते हुये घोषणा की अध्यक्ष पद चुनाव के लिये नीचे ड्राईवर रूम में मतदान होगा और ड्राईवर रूम में जाकर बैठ गये । श्री महेश शर्मा जी ने अन्य लोगो का सहारा लेते हुये मतदान प्रकिया में बाधा पहुँचाई और अध्यक्ष पद का चुनाव, फेडरेशन द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी द्वारा नही होने दिया ।
5. चालक दिवस के आयोजन से पूरे भारत वर्ष के चालकों का आत्मस्वाभीमान बढा जिसमें दिल्ली के मुख्य सचिव द्वारा फेडरेशन की वर्षो पुरानी मांग को स्वीकार करते हुये फेडरेशन को दिल्ली सरकार द्वारा कार्यलय आंवटित किया गया, तथा चालकों के सम्मान में कही गई बातो से चालकों में नई उर्जा का संचार हुआ । चालक दिवस व शांति मार्च में पूरे देश के चालकों ने दिल्ली में एकत्रित होकर एकता का परिचय दिया । दिल्ली सरकार वाहन चालक कल्याण समिति व श्री पी.कनन व श्री अब्दुल हमीद के सहयोग से सांसदो द्वारा भारत सरकार पर दवाब बनाने के लिये पत्र लिखे व मेरे द्वारा लिखे गये 33 पत्रों के दवाब से दिनांक 06–01–2020 को डा जितेन्द्र सिहँ, माननीय राज्य मंत्री प्रधानमंत्री कार्यलय व कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के साथ बैठक संभव हो सकी ।
6. आप चालक साथियों को भ्रमित कर रहे है । मैने 27 मई 2018 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन के समय काले झण्डे दिखाने का भी फेसला लिया था । आपने तो दिल्ली में आयोजित फेडरेशन की दिनांक 29–09–18 को कार्यकारिणी बैठक में सरकार के खिलाफ आंदोलन एक घंटा स्विच आफ गाडी का चक्का जाम करने का फैसला तक नही लेने दिया । आप प्रधानमंत्री को लिखे गये जिस पत्र की बात कर रहे है उस पत्र में आंदोलन व आत्मदाह तक की धमकी दी गई है परन्तु आप जैसे संगठन विरोधी लोगो का सहयोग नही मिलने के कारण फेडरेशन अपने कार्य को करने में सफल नही हो पा रहा है । यह मै नही जानता की आप किस लालच में अपनी अज्ञानता का परिचय दे रहे है, चालक साथियों को जानबूझ अधूरी जानकारी देकर भ्रमित कर रहे है । जबकि पत्र में इस प्रकार लिखा है "माननीय महोदय, आप विश्व नेता कर्मठ ईमानदार मेहनती भारत के पिता समान प्रधानमंत्री है । आपके कार्यालय के कुछ अधिकारी आपसे फेडरेशन की बैठक सच्चाई छिपाने के उद्देश्य से ना कराकर भष्ट्राचार में लिप्त अधिकारियों को संरक्षण दे रहे है । भारत के राजकीय वाहन चालको की उपेक्षा होने के कारण चालक देशव्यापी आंदोलन, सरकारी वाहनों का चक्का जाम, भूख हडताल, प्रदर्शन व आत्मदाह करने पर मजबूर हो जायेगे जिसका पूर्ण दायित्व विश्व नेता भारत के प्रधानमंत्री पर होगा ।" हॉ माननीय प्रधानमंत्री को पिता समान लिखना में कोई गलत नही मानता मैने आप जैसे लोग जब किसी मुसीबत में फसते है तो विभागाध्यक्ष को भी पिता समान कहते देखा है । हमारे देश ने श्री महात्मा गॉधी को राष्ट्पिता माना हुआ है, श्री नेहरू को चाचा बोलते हुये सुना है ।
7. फेडरेशन को वार्षिक शुल्क देगे नही और फेडरेशन द्वारा दिल्ली में होटल की सुविधा चाहिये । मैने फेडरेशन में महासचिव का कार्यभार सम्भालते ही 2016 से अवगत करा दिया था, कि फेडरेशन दिल्ली में किसी का ठहरने का प्रबंध नही करेगा सभी साथी अपने–अपने भवनों में ठहरने का प्रबंध करे अगर कोई रूकावट आती है तो फेडरेशन को लिखित में अवगत कराये । 04 जनवरी 2020 को खाने के लिये किसी की रसीद नही काटी गई ।

फेडरेशन के नियमानुसार अगर कोई राज्य फेडरेशन की बैठक करना चाहता है या राज्य द्वारा आयोजित प्रोग्राम में या किसी बैठक में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव व राष्ट्रीय कोष्याध्यक्ष को बुलाया जाता है तो उनका खर्चा जैसे कि आने–जाने का, ठहरने के खर्चे की पूरी जिम्मेवारी राज्य सरकार चालक समिति की होगी । आपने 22 सितम्बर 2019 को राजस्थान में बैठक की परन्तु किसी भी पदाधिकारी को आप के राज्य ने आने जाने का खर्चा नही दिया और ना ही महासचिव के ठहरने की उचित व्यवस्था की, मजबूर होकर अपने खर्चे पर होटल की शरण ली ।

8. फेडरेशन ने आपको उतर पश्चिम क्षेत्र का महासचिव मनोनीत किया था, आपके कार्य क्षेत्र में 8 राज्य, दो केन्द्र शासित प्रदेश व केन्द्र सरकार चालक समिति शामिल है, आप अपने पद से सेवानिवृत भी हो गये है, आपने अभी तक फेडरेशन को किसी भी पत्राचार की जानकारी नही दी है, आपने चालकों की समस्याओ के निवारण के लिये फेडरेशन की तरफ से कोई पत्राचार नही किया, ना ही किसी के आंदोलन में सहयोग किया । किस–किस राज्य सरकारो व अन्य सरकारो को कितने पत्र लिखे है और कितने पत्रों में आंदोलन की धमकी दी है तथा कितने आंदोलन किये है, अगर कुछ पत्राचार किया है तो फेडरेशन को अवगत कराया जाये । फेडरेशन द्वारा दी गई जिम्मेवारी के अनुसार आपने सबसे पहले राजस्थान का वार्षिक शुल्क एवं अपने क्षेत्र के राज्यों का वार्षिक शुल्क जमा कराने का सहयोग करना चाहिये परन्तु आपने सहयोग नही किया । आपने फेडरेशन द्वारा जारी स्मारिका पुस्तिका सारथी की आवाज में श्री चरण सिहँ चोधरी का फोटो तो लगवा दिया परन्तु दो हजार रूपये आज तक नही दिये है ।
9. 04 जनवरी 2020 को बैठक हाल में वैद्य मतदाताओ के बैठने के लिये पूरी व्यवस्था मुफत में की थी, यहॉ पर कुव्यवस्था दोषी मतदाताओ और बाहरी लोगो (जिनको फेडरेशन ने नही बुलाया था) ने की थी ।

मैं फेडरेशन का र्निविरोध महासचिव जून 2016 के उना राष्ट्रीय अधिवेशन में निर्वाचित हुआ था उसके बाद जनवरी 2020 तक निम्नलिखित फेडरेशन के कार्य पूर्ण किये एवं पत्राचार किया है :–

1. सितम्बर 2016 में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव दिल्ली में कराया ।
2. फेडरेशन के खातो को वेस्ट बंगाल से दिल्ली में स्थानानतरित कराया ।
3. फेडरेशन में केन्द्र सरकार चालक समिति को जोडने के उद्देश्य से फेडरेशन के नाम मे संशोधन कराके फेडरेशन का ऑल इण्डिया स्टेट गर्वमेन्ट ड्राईवर्स फेडरेशन से बदलकर ऑल इण्डिया गर्वमेन्ट ड्राईवर्स फेडरेशन नाम कराया । फेडरेशन के उपनियमों में संशोधन कराकर नये पद सजृन कराये गये । जिसमें केन्द्रिय कार्यकारिणी व पूरे भारत में चार क्षेत्रिय समितियों का सृजन कराया गया ।
4. आप सबके सहयोग से राज्यों में 18 जनवरी 2018 को शांति मार्च सम्पन्न हुआ और 02 फरवरी 2018 को दिल्ली में अभूतपूर्व सहयोग और उत्साह के कारण शांति मार्च राष्ट्रीय स्तर पर सफल हो सका ।
5. दो आम सभा, पॉच कार्यकारिणी, दो केन्द्रिय कार्यसमिति की बैठके बुलाई गई जिसमें सभी राज्यों/केन्द्र सरकार वाहन चालक समितियो/संघो के प्रतिनिधि हिस्सा लेते रहे ।
6. दिल्ली में 11 जून 2019 को फेडरेशन का 25वा स्थापना दिवस और चालक दिवस मनाने में सफल हुए जिसमें भारत की सभी राजकीय चालक समितियों का पूर्ण सहयोग मिला । स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली के मुख्य सचिव माननीय श्री विजय देव जी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए फेडरेशन को दिल्ली में कार्यस्थल आंवटित करने का आश्वासन भी दिया ।
7. फेडरेशन की स्मारिका पुस्तक "सारथी की आवाज" का विमोचन 11 जून 2019 को ।
8. फेडरेशन अब किसी के घर का झोला नही रही गई है फेडरेशन के कार्यो में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से हमने फेडरेशन की वेबसाईट **www.aigdf.org** बनवाई जिसका उद्घाटन 11 जून 2019 को किया गया ।

9. मैं पश्चिम बंगाल में 2017, गुजरात 2018 में, उतर प्रदेश 2018, पंजाब, सिक्किम, राजस्थान और उतराखण्ड के आयोजित कायकमों एवं बैठको में सम्मिलित हुआ ।
10. राजकीय चालको की समस्याओ के निवारण हेतू देश के राष्ट्रपति को 5 पत्र, माननीय प्रधानमंत्री को 31 पत्र, कार्मिक जन शिकायत एवं पेशन मंत्रालय को 7 पत्र व जेसीएम के लिये 3 पत्र, परिवहन मंत्रालय को 7 पत्र, दो पत्र वित मंत्रालय, प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत में भारत सरकार के खिलाफ शिकायत, कार्यलय आंवटन के लिये 22 पत्र दिल्ली सरकार को व 4 पत्र शहरी मंत्रालय, भारत सरकार को, श्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष को 12 पत्र, दमन दीयू के चालक को आई.ए.एस. द्वारा प्रताडित करने पर (चालक का वेतनमान रोक दिया, सरकारी घर खाली करने के आदेश कर दिये, उसके बाद चालक को निलंबित कर दिया था) 5 पत्र लिखे है ।
11. फेडरेशन कार्यकारिणी का चुनाव 4 जनवरी 2020 को कराया ।

मैने ईमानदारी से लग्न से अपने जरूरी घरेलू काम छोड कर फेडरेशन के काम को प्राथमिकता दी है और फेडरेशन का काम करने में सबसे ज्यादा सहयोग श्री विनोद कुमार अग्रवाल, सलाहकार फेडरेशन का रहा है । श्री विनोद कुमार अग्रवाल, चुनाव अधिकारी को नियुक्त करने में राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति ली गई थी और अभी तक किसी भी पदाधिकारी या चालक साथी ने यह नही बताया है कि चुनाव अधिकारी ने फेडरेशन के कौन से नियम का उलघन्न किया है । फिर भी मेरे चालक साथी अगर मेरे काम से खुश नही है तो मैं आज भी दुसरे किसी भी साथी को काम सौपने को तैयार हूँ आप दिल्ली, फेडरेशन कार्यलय में किसी योग्य महामंत्री को सभी राज्यों की सहमति पत्र के साथ भेज दे मैं उसको तुरंत महासचिव का काम सौप दूगां, हॉ अन्त में यह कहना चाहता हूँ कि आपने फेडरेशन के काम को रोक दिया है ।

भवदीय

(नरेन्द्र सिहँ)
महासचिव